दुनिया में कहानियाँ कैसे आईं?

दुनिया में
कहानियाँ
कैसे आईं?
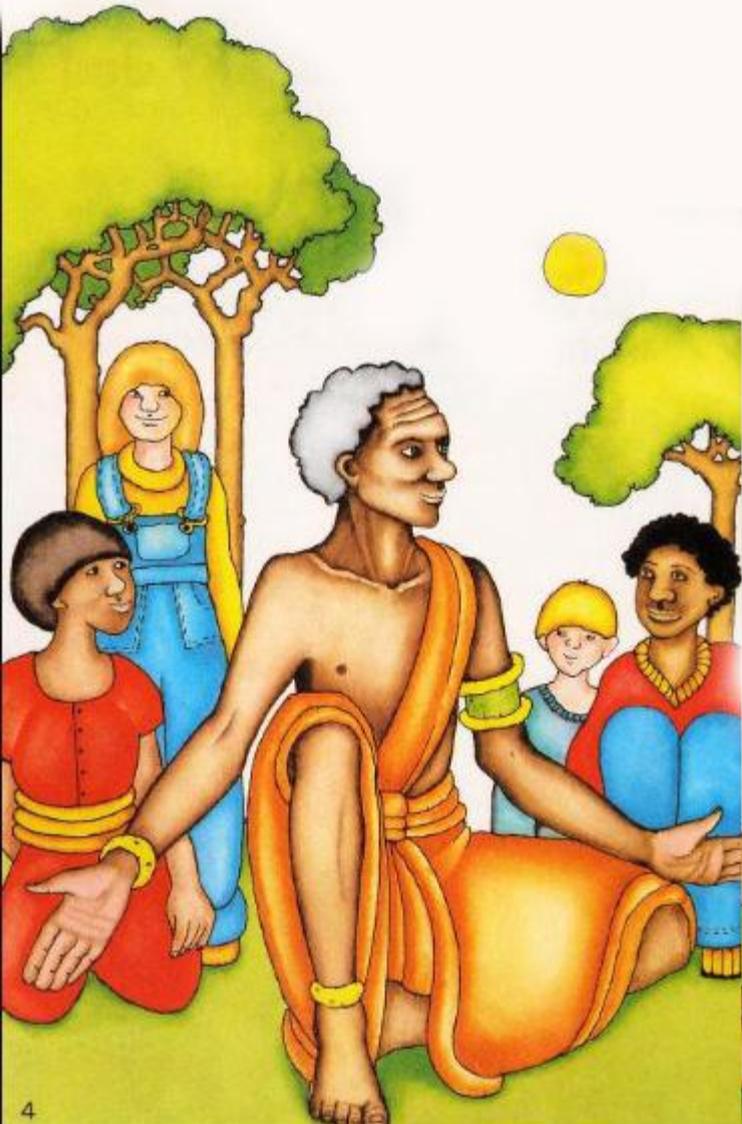
अनानसे "द स्पाइडर-मैन" के बारे में कई कहानियां प्रचलित हैं. यह कहानियां अफ्रीका से आईं, लेकिन अब उन्हें दुनिया भर के बच्चे सुनते हैं.

यह कहानी उनमें से एक "स्पाइडर स्टोरी" है. यह कहानी बताती है कि कैसे अनानसे पृथ्वी के बच्चों के लिए आकाश-देव से कुछ कहानियाँ माँगकर लाया और बाद में इन कहानियों का नाम "स्पाइडर स्टोरीज़" पड़ा.

एक समय ऐसा था जब पृथ्वी के बच्चों के पास एक भी कहानी नहीं थी. आकाश-देव के पास सभी कहानियां थीं. वे उन्हें अपने घर आकाश में, अपनी कुर्सी पर रखते थे.

अनानसे "स्पाइडर-मैन" आकाश-देव की कहानियों के बारे में जानता था. वह उन कहानियों को पृथ्वी के बच्चों के लिए लाना चाहता था.

"मुझे पता है कि मैं क्या करूंगा," अनानसे ने कहा. "मैं आकाश-देव से मिलने जाऊंगा और उनसे पूछूंगा कि क्या मुझे उनमें से कुछ कहानियाँ मिल सकती हैं."
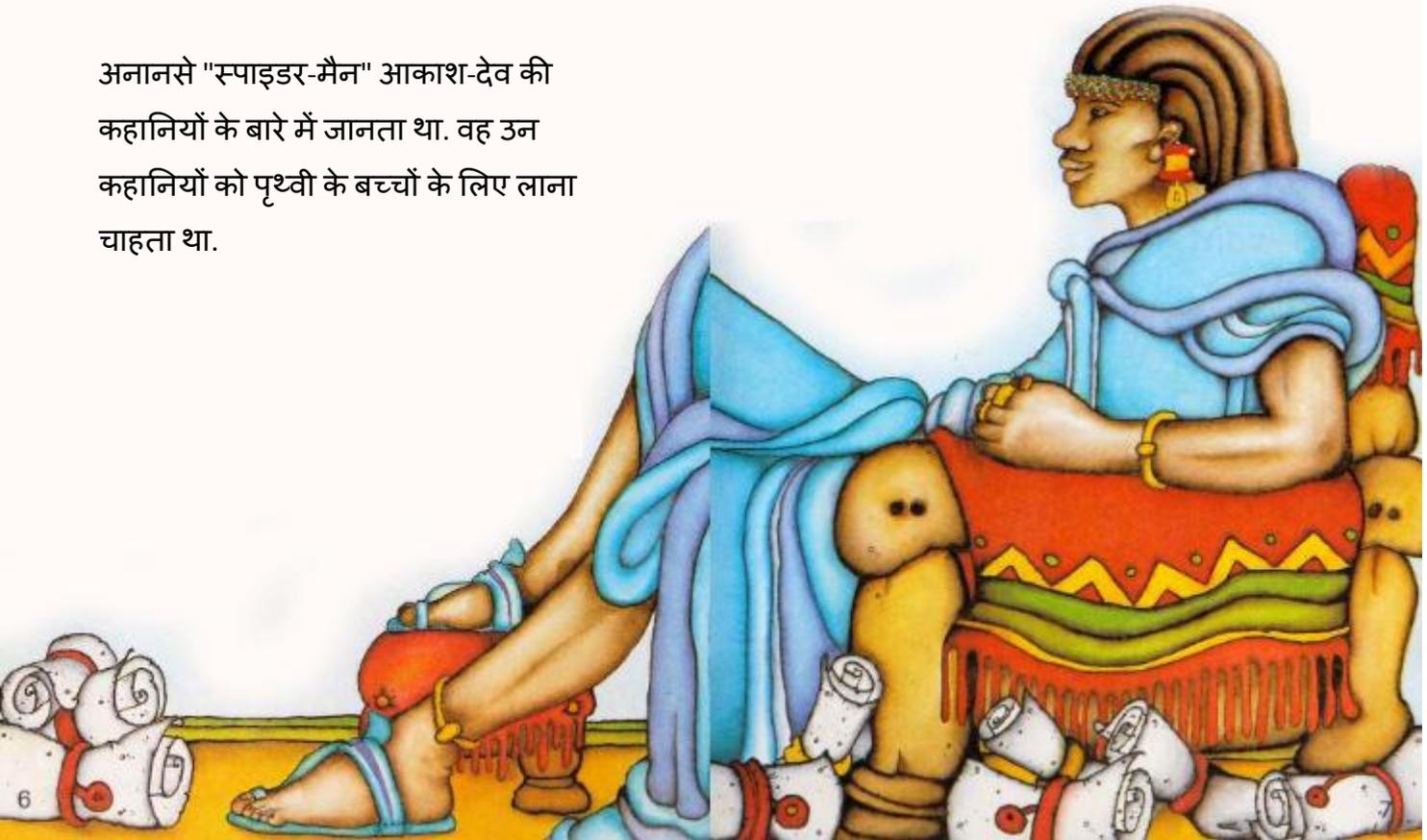
अनानसे ने फिर एक मकड़ी का जाल बुना जो सीधे आकाश तक गया. उसपर चढ़कर वो ऊपर आकाश-देव के घर पहुंचा.

आकाश-देव बहुत बड़े थे. जब उन्होंने अनानसे को आते हुए देखा, तब उन्होंने उससे पूछा, "तुम क्या चाहते हो स्पाइडर-मैन?"
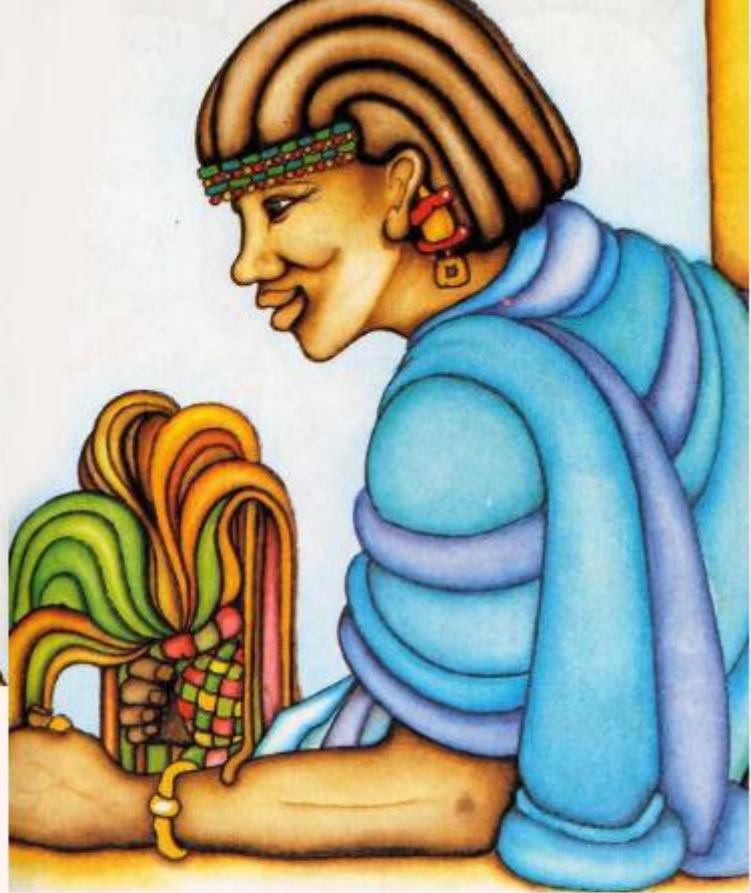
अनानसे ने आकाश-देव की ओर देखा. उसने कहा, "आकाश-देव, मुझे पता है कि आपके पास कुछ कहानियां हैं, और उनमें से कुछ को मैं पृथ्वी के बच्चों के लिए लेकर जाना चाहता हूं. बताएं कि मैं उन कहानियों के बदले में आपको क्या दे सकता हूं?"

आकाश-देव ने हँसते हुए अनानसे को देखा. "तुम एक मजाकिया छोटे से आदमी हो," उन्होंने कहा.
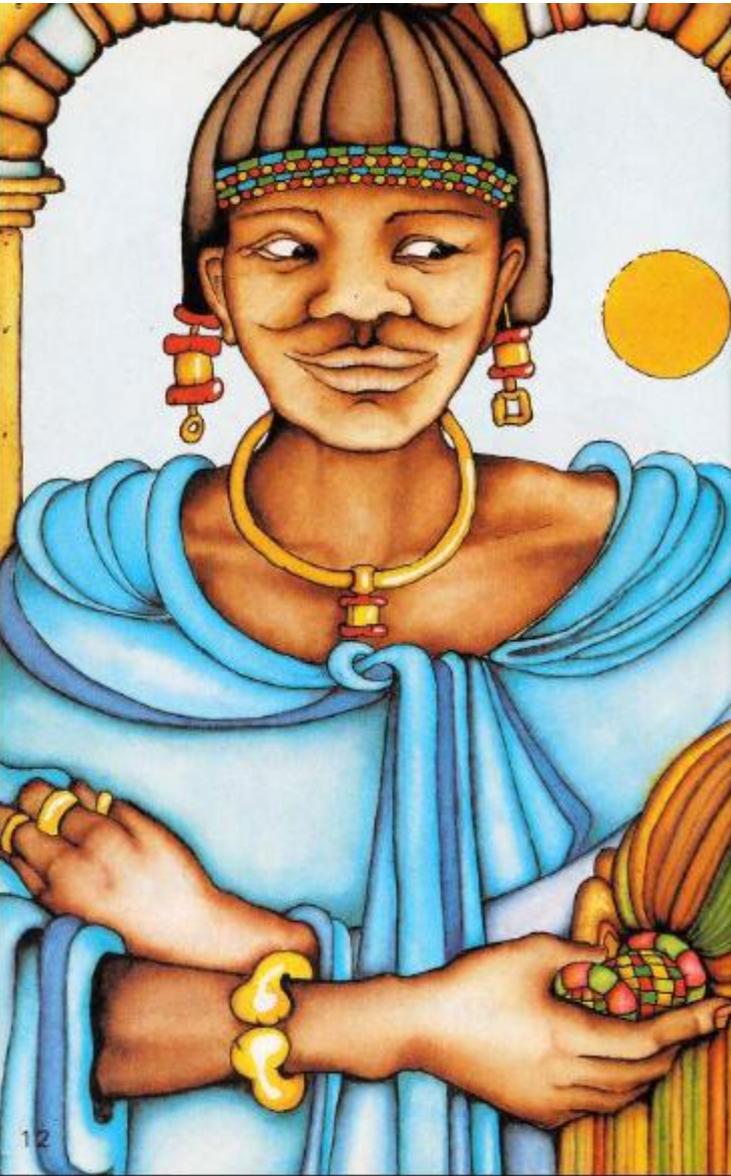
"मैं तुम्हें बताऊंगा कि मैं अपनी कहानियों के लिए क्या चाहता हूं, स्पाइडर-मैन," आकाश-देव ने कहा. "मुझे भयानक दांतों वाला ओसेबो तेंदुआ चाहिए और ममबोरो सींगों वाली ततैए चाहिए जिनके डंक आग की तरह चुभते हैं, और अबोटिया परी चाहिए जिसे कोई आदमी नहीं देख सकता है. यदि तुम उन्हें मेरे लिए ला सकते हो, तो मैं तुम्हें पृथ्वी के बच्चों के लिए कुछ कहानियाँ ले जाने के लिए दूंगा."

यह कहकर आकाश-देव हँसते-हँसते लोटपोट हो गए.

फिर आकाश-देव और हंसे. "तुम जैसा छोटा आदमी मुझे यह दुर्लभ चीजें कैसे लाकर दे सकता है?" उन्होंने पूछा. "ओसेबो तेंदुआ तुम्हें खा जाएगा, ममबोरो ततैये अपने डंक चुभो देंगी. क्योंकि अबोटिया परी को कोई आदमी देख तक नहीं सकता है, तो फिर तुम उसे मेरे लिए कैसे लाओगे?"
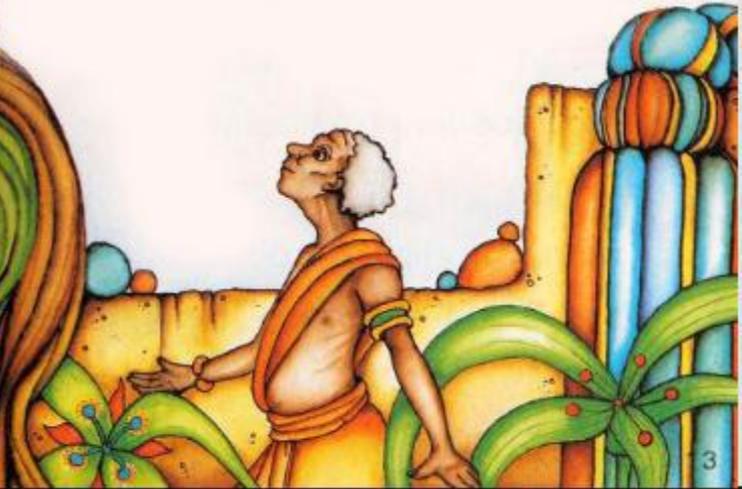
"हाँ," अनानसे ने कहा. "जनाब, आपने जो कहा, मैं वैसा ही करूंगा."

अनानसे ने कुछ नहीं कहा. मकड़ी के जाल से नीचे उतरकर वो पृथ्वी पर आया. वो भयानक दांतों वाले तेंदुए की तलाश करने, ममबोरो डंक वाली ततैयों और अबोटिया परी जिसे कोई आदमी नहीं देख सकता था को पृथ्वी पर तलाश करने निकला!

"मैं उन्हें लेकर आऊंगा," उसने कहा. "मुझे पता है, कि मैं यह काम कर सकता हूँ."
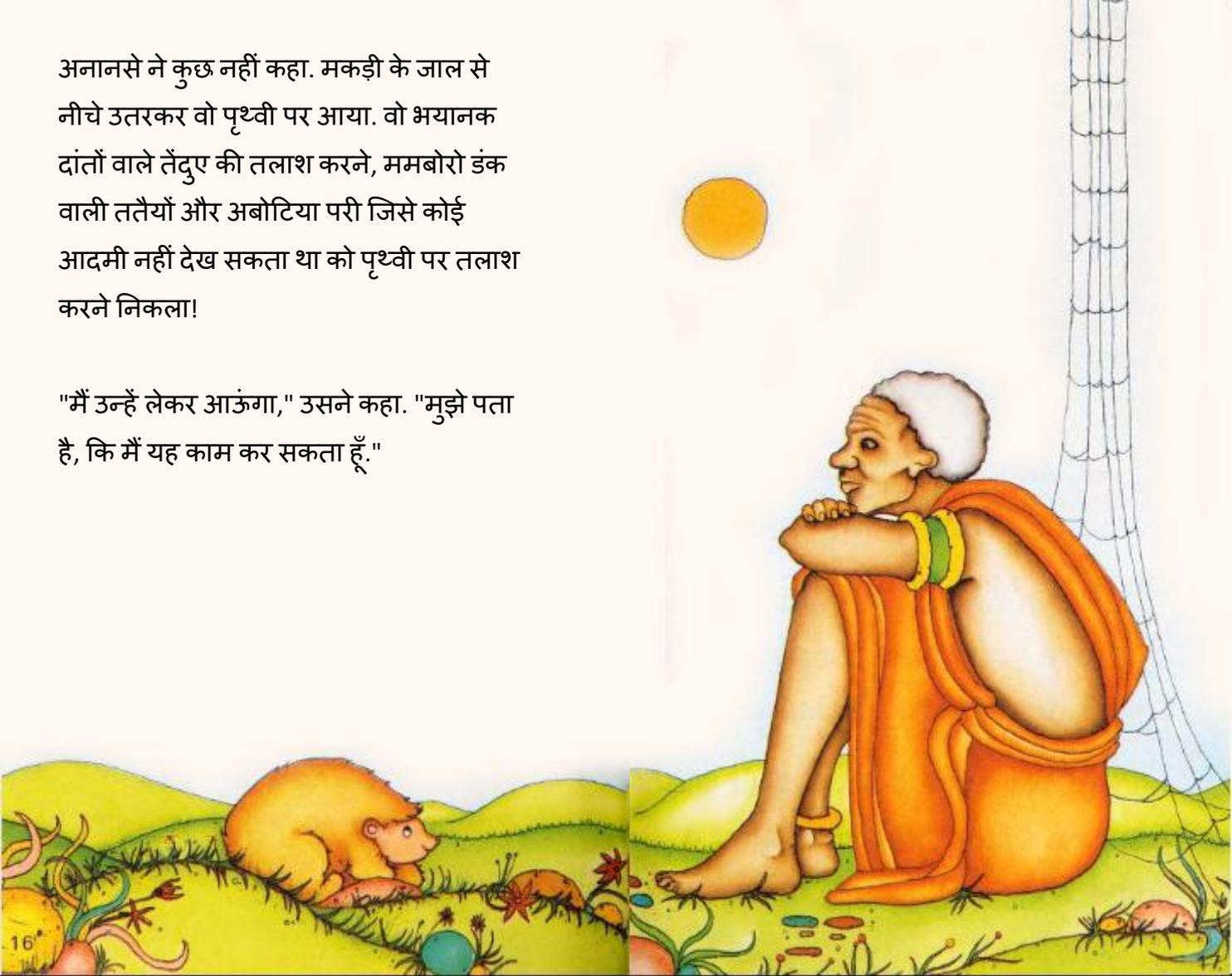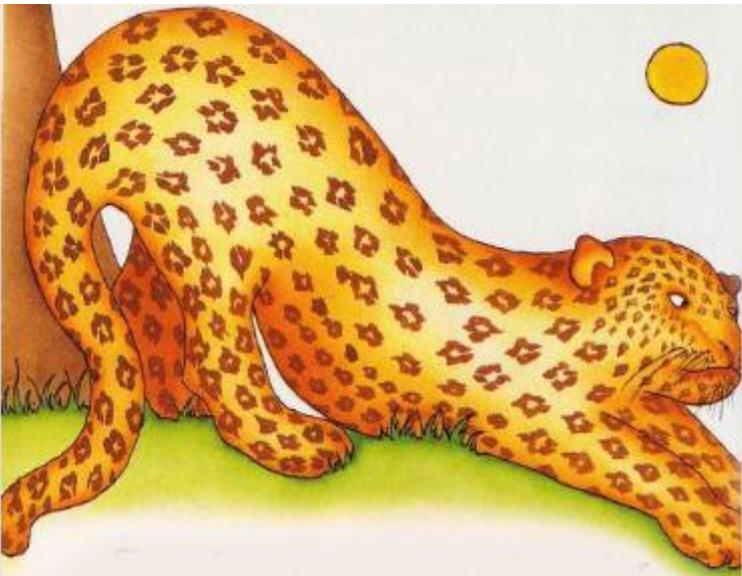
पहले अनानसे भयानक दांतों वाले तेंदुए को देखने के लिए गया. उसने उसे एक पेड़ के पास बैठे हुए देखा.

"क्या तुम मेरे रात का भोजन बनकर आए हो, स्पाइडर-मैन?“ ओसेबो ने पूछा.

"हम उसके बारे में बाद में बात करेंगे," अनानसे ने कहा. "पहले मैं तुम्हारे साथ एक खेल, खेलना चाहता हूँ."
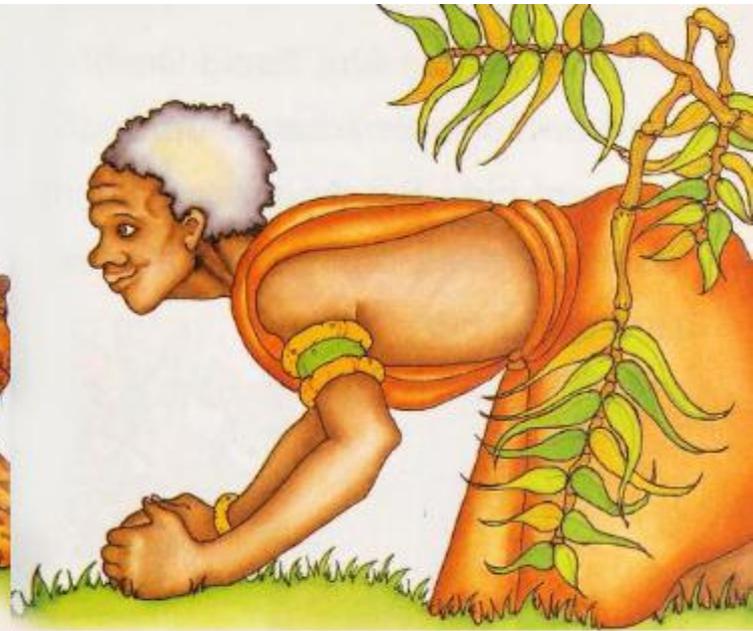
ओसेबो को खेल खेलना पसंद थे. "तुम कौन सा खेल खेलना चाहते हो?" उसने पूछा.

"यह खेल है," अनानसे ने कहा. "पहले मैं तुम्हें पैरों को बांध दूंगा. फिर मैं तुम्हें खोल दूंगा. उसके बाद तुम मेरे पैर बांधना और उन्हें खोलना."

"यह तो बड़ा मज़ेदार खेल है," ओसेबो ने कहा. वो अनानसे को बाँधकर खाना चाहता था. लेकिन अनानसे ने ओसेबो को पहले ही बांध दिया था. फिर उसने तेंदुए को एक पेड़ से बांधकर लटका दिया.
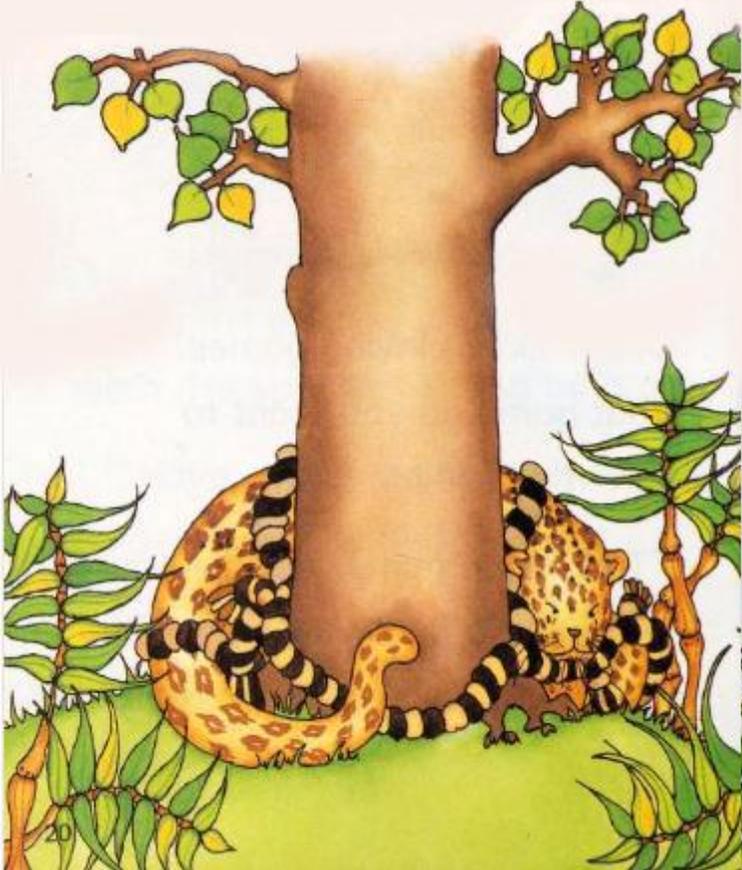
"जल्द ही मैं तुम्हें आकाश-देव से मिलवाने ले जाऊंगा," अनानसे ने कहा. "लेकिन उससे पहले मुझे आग की तरह डंक मारने वाली ममबोरो ततैयों को खोजना है. "तुम यहाँ से भागना मत, ओसेबो," और फिर वो पेड़ से बंधे तेंदुए को देखकर हँसा.

अनानसे वहां से आगे चला. जल्द ही वह एक केले के पेड़ के पास पहुंचा.

उसने केले के पेड़ का एक बड़ा पत्ता तोड़ा. "यह मेरी मदद करेगा," उसने कहा. फिर उसे एक सख्त, सूखी लौकी मिली. उसने उसमें छेद किया और थोड़ा पानी डाला.

"अब मैं उन ममबोरो ततैयों की तलाश करूँगा जिनके डंक आग की तरह चुभते हैं," उसने कहा.
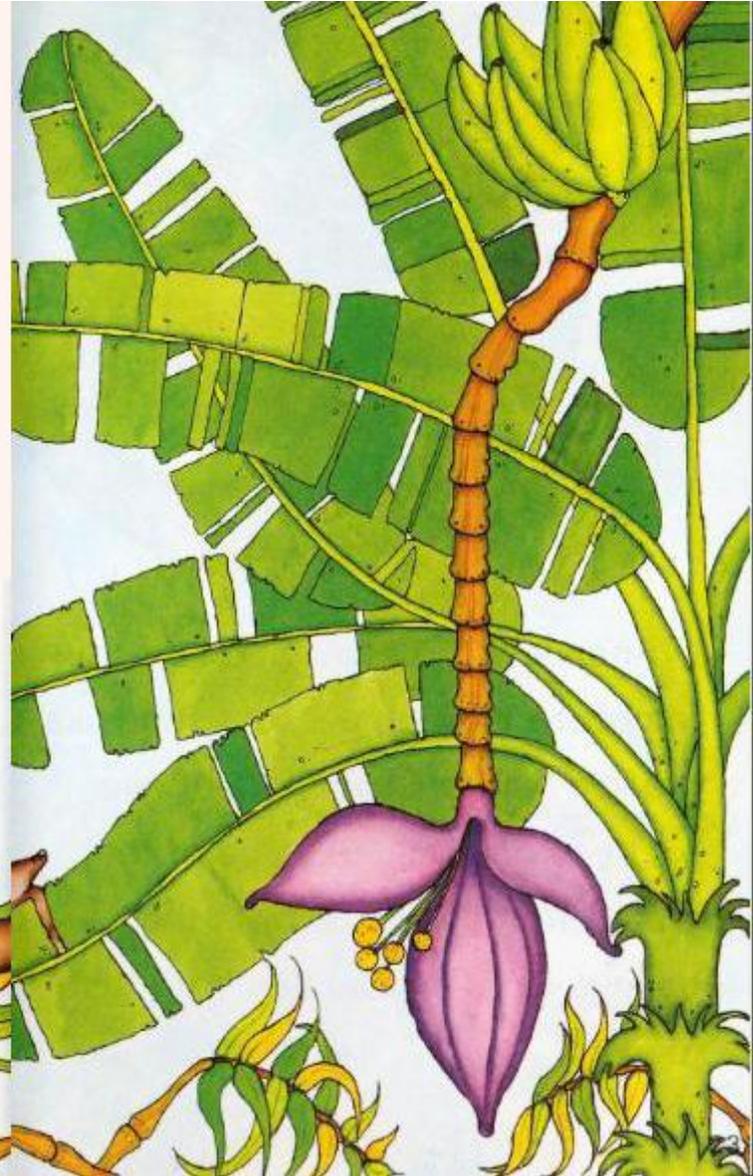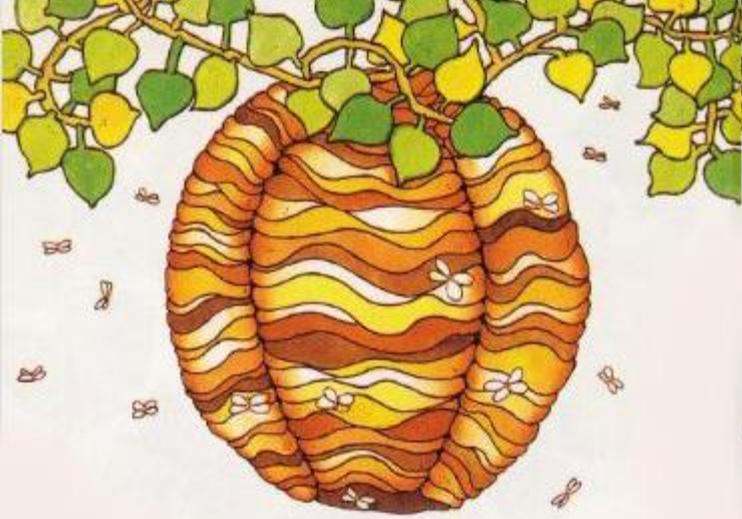
अनानसे चल पड़ा. जल्द ही उसे ममबोरो ततैयों का एक झुण्ड दिखा. अपने बचाव के लिए उसने केले के पत्ते को अपने सिर पर रखा. फिर उसने केले के पत्ते पर लौकी से थोड़ा पानी छिड़का. उससे ऐसा लगने लगा मानो बारिश हो रही हो.

अनानसे ने बाकी पानी ममबोरो ततैयों के ऊपर डाला.

फिर वो ज़ोर से चिल्लाया, "बारिश हो रही है, बारिश हो रही है."

"बारिश से बचने के लिए जल्दी से मेरी लौकी के छोटे छेद में घुस जाओ, ततैयों."

"धन्यवाद, अनानसे," ततैयों ने कहा, और वे बारिश से बचने के लिए, एक के बाद एक करके लौकी में घुस गईं.
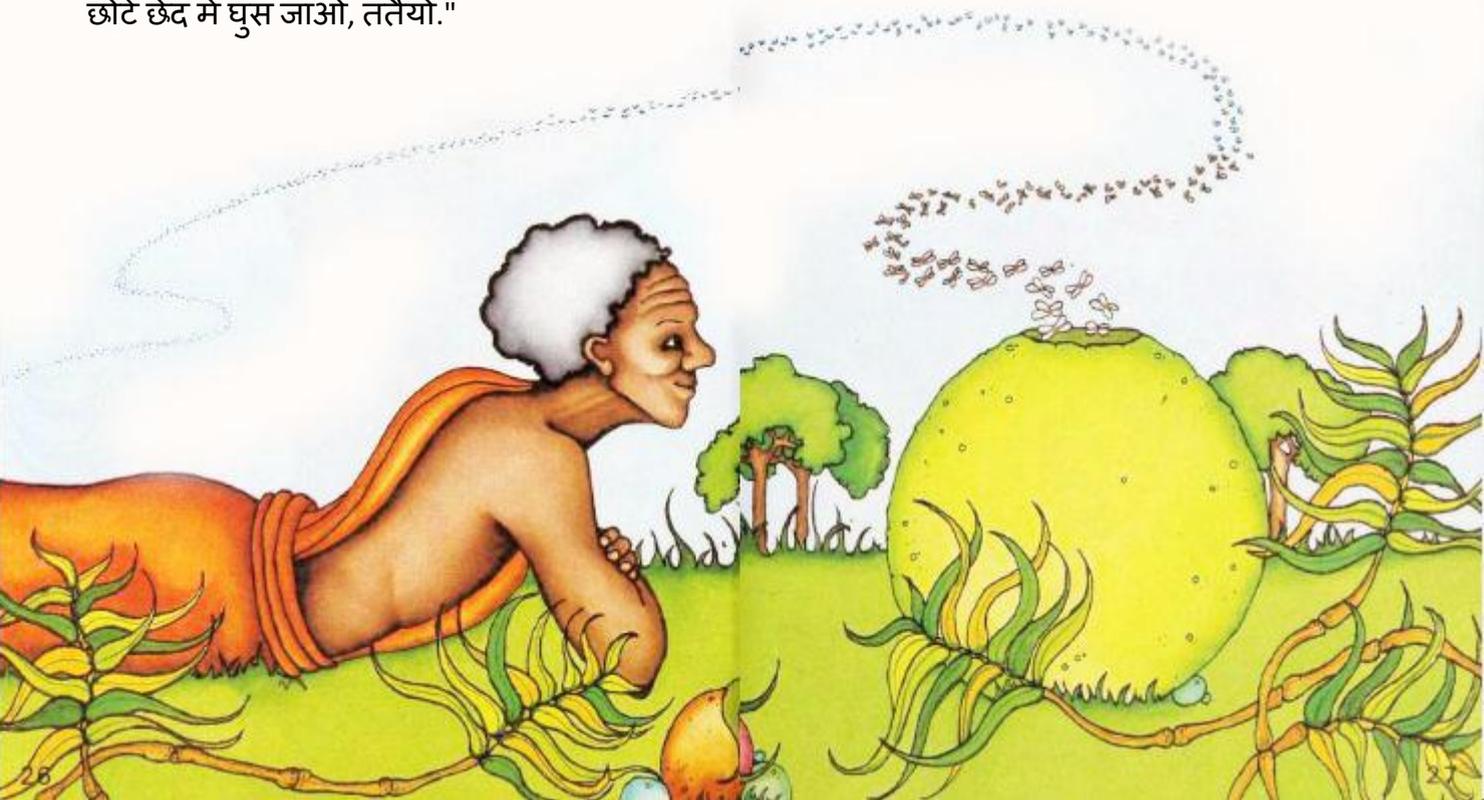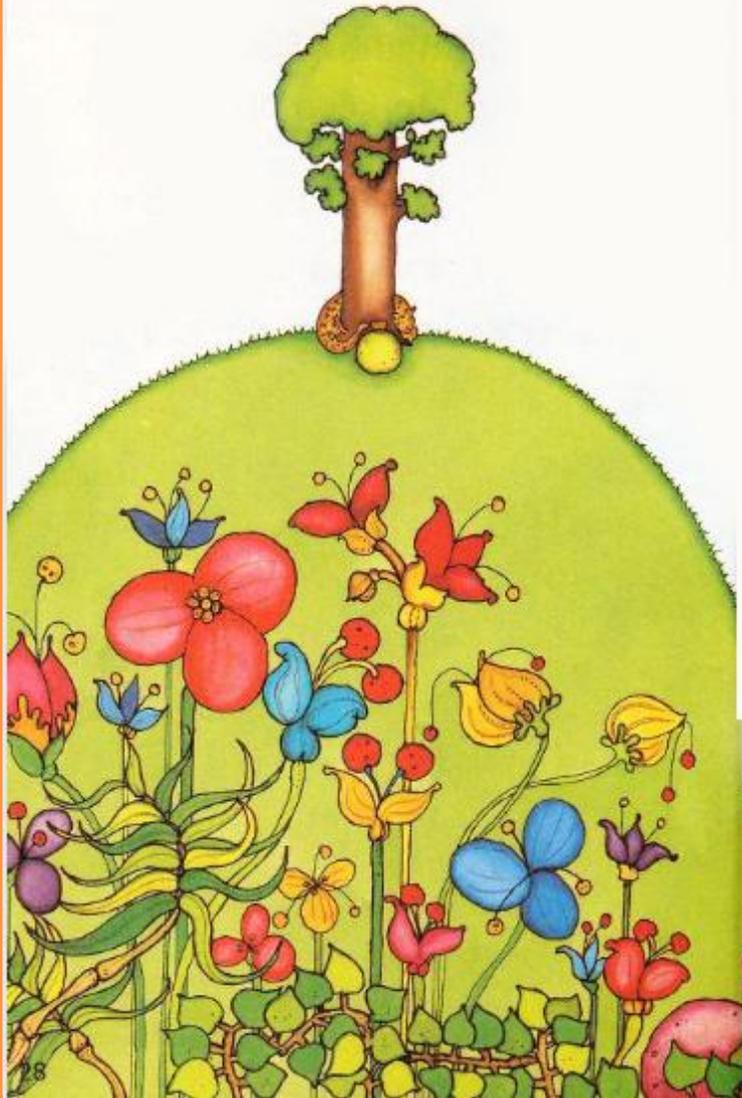
अनानसे ने कहा, "अब मुझे सिर्फ इतना सुनिश्चित करना है कि आप सभी ततैये इस लौकी के अंदर ही रहें.“

फिर अनानसे ने लौकी को भी पेड़ से लटका दिया.

"जल्द ही मैं आपको आकाश-देव से मिलवाने ले जाऊंगा," अनानसे ने कहा. "लेकिन उससे पहले मुझे अबोटिया परी को ढूंढ कर लाना है जिसे कोई आदमी देख तक नहीं सकता है."

अनानसे ने एक छोटी सी गुड़िया बनाई जिसके हाथ में कटोरा था. उसने गुड़िया के चारों ओर गोंद लगाया, और फिर उसने कटोरे में कुछ पके कंद डाल दिए.

फिर उसने एक पतली बेल ली और उसका एक सिरा छोटी गुड़िया के सिर से चिपका दिया. उसने गुड़िया को पेड़ के नीचे लाल फूलों के साथ रख दिया, क्योंकि वहां परियों को खेलना पसंद था.

अनानसे ने बेल का दूसरा सिरा लिया और पीछे दूर जाकर छिप गया.

जल्द ही अबोटिया परी जिसे कोई आदमी नहीं देख सकता था वो पेड़ के नीचे लाल फूलों के साथ खेलने के लिए आई.

उसने गुड़िया को पेड़ के नीचे बैठे देखा. परी यह देखने के लिए रुकी कि गुड़िया के कटोरे में क्या था.

जब अबोटिया ने कटोरे में कंद देखा तो उसके मुंह में पानी आ गया. उसे कंद बेहद पसंद थे!

"कृपया मुझे कुछ कंद दो," अबोटिया ने गुड़िया से कहा.

अनानसे ने बेल खींची और गुड़िया का सिर हिलाकर ऊपर-नीचे किया. ऐसा लगा जैसे गुड़िया ''हां!'' कह रही हो.

अबोटिया ने कुछ कंद लिये और उन्हें अपने मुंह में डाले. “कितने अच्छे हैं!” अबोटिया ने फिर कुछ और कंद लिए, फिर कुछ और.

जल्द ही अबोटिया ने सभी कंद खा लिए.

"शुक्रिया," उसने गुड़िया से कहा.
लेकिन गुड़िया ने कोई जवाब नहीं दिया.

"शुक्रिया," फिर से अबोटिया ने कहा. फिर भी गुड़िया ने कुछ नहीं कहा. अबोटिया को अब गुस्सा आया.

"मुझसे बात करो!" उसने चिल्लाकर कहा.
लेकिन गुड़िया ने फिर भी कोई जवाब नहीं दिया.

"मुझसे बात करो. मुझसे बात करो, नहीं तो
मैं तुम्हें थप्पड़ मारूंगी!" अबोटिया चिल्लाई.
लेकिन गुड़िया ने कुछ भी नहीं कहा.

फिर अबोटिया ने गुड़िया को एक थप्पड़ मारा.
आप जानते हैं कि उस थप्पड़ से क्या हुआ?
परी का हाथ उस गोंद से चिपक गया जिसे
अनानसे ने गुड़िया पर पोता था.
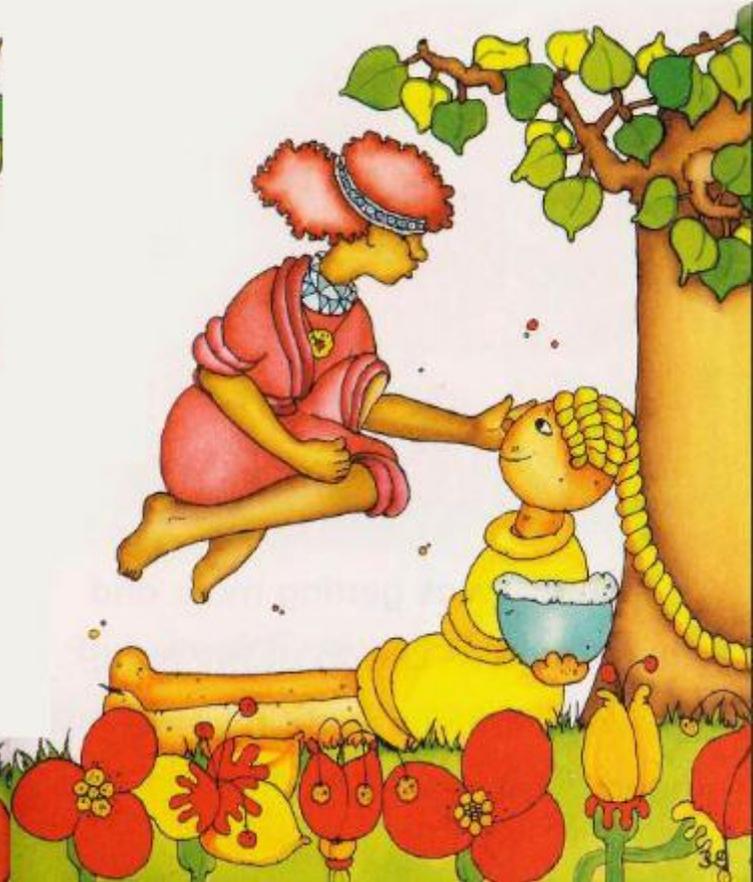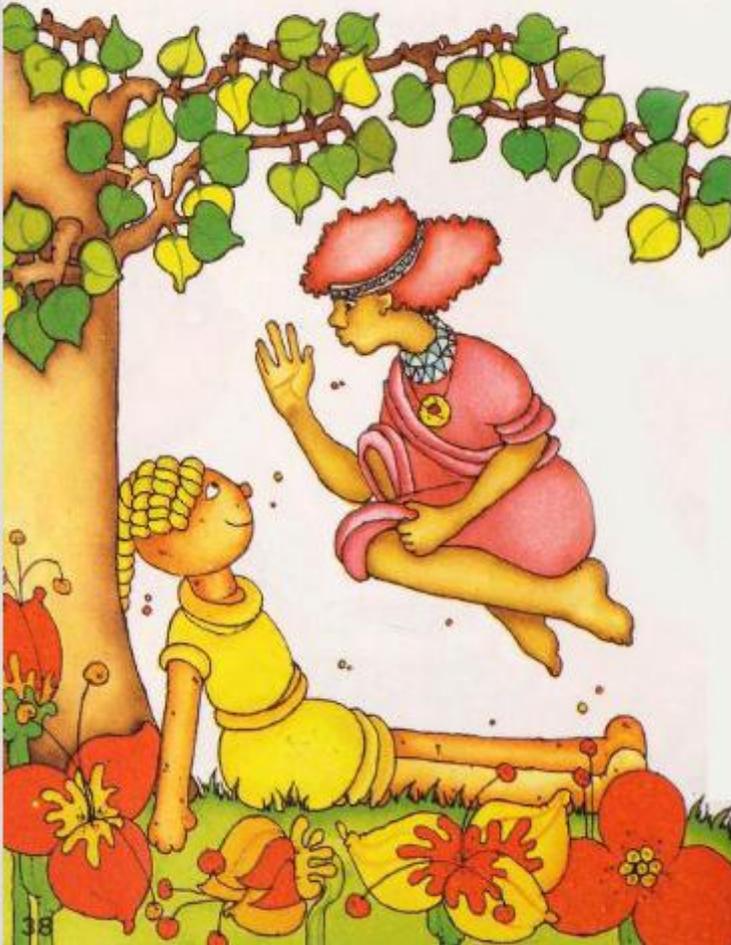
अबोटिया को और गुस्सा आया. "मेरा हाथ छोड़ो, नहीं तो मैं तुम्हें अपने दूसरे हाथ से भी थप्पड़ मारूंगी," उसने गुस्से में कहा.

लेकिन क्योंकि गुड़िया ने परी को छोड़ा नहीं, इसलिए अबोटिया ने उसे फिर थप्पड़ मारा. अब उसका दूसरा हाथ हाथ भी गोंद से चिपक गया.

अब अबोटिया उतनी ही क्रोधित थी जितनी कोई परी हो सकती है. जब उसने गुड़िया को अपने पैरों से मार, तब उसके पैर भी गोंद से चिपक गए. अब उसके दोनों हाथ और दोनों पैर गुड़िया से चिपक गए थे! परी देखने में बड़ी मज़ेदार लग रही थी!

अनानसे ने अपने छिपने वाले स्थान से देखा. उसने देखा कि अबोटिया परी अब पूरी तरह फंस गई थी.
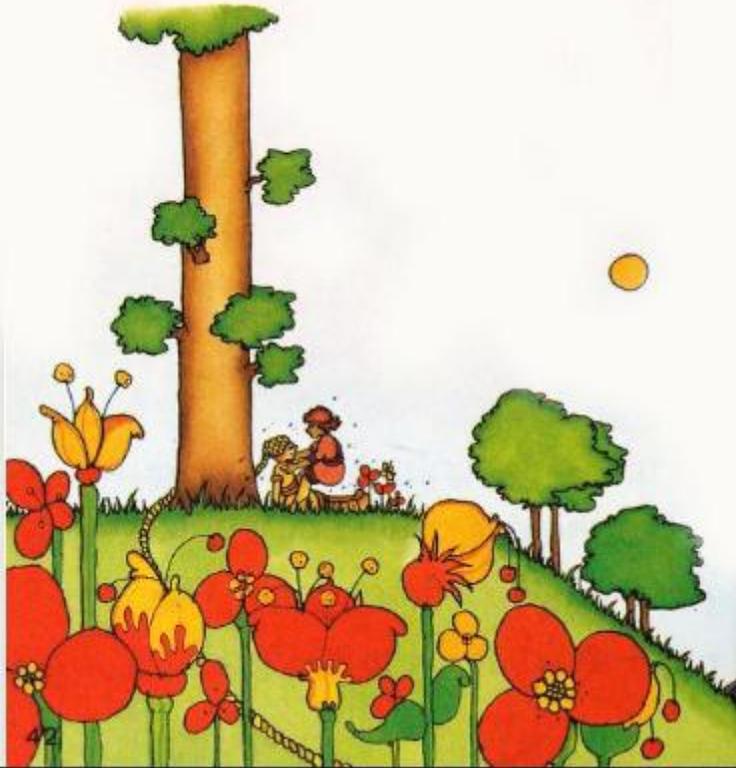
अनानसे परी को देखकर हँसा. "अब मैं तुम्हें आकाश-देव से मिलवाने ले जाऊंगा," उसने कहा. "लेकिन उससे पहले मैं कुछ दूसरी चीजें भी साथ लूँगा जो मुझे अपने साथ लेनी हैं."

फिर अनानसे, अबोटिया परी को उसी पेड़ पर ले गया, जहां उसने ओसेबो तेंदुए और ममबोरो ततैयों को बांधा था. फिर उसने एक मकड़ी का जाल बुना जो सीधे ऊपर आकाश में गया.
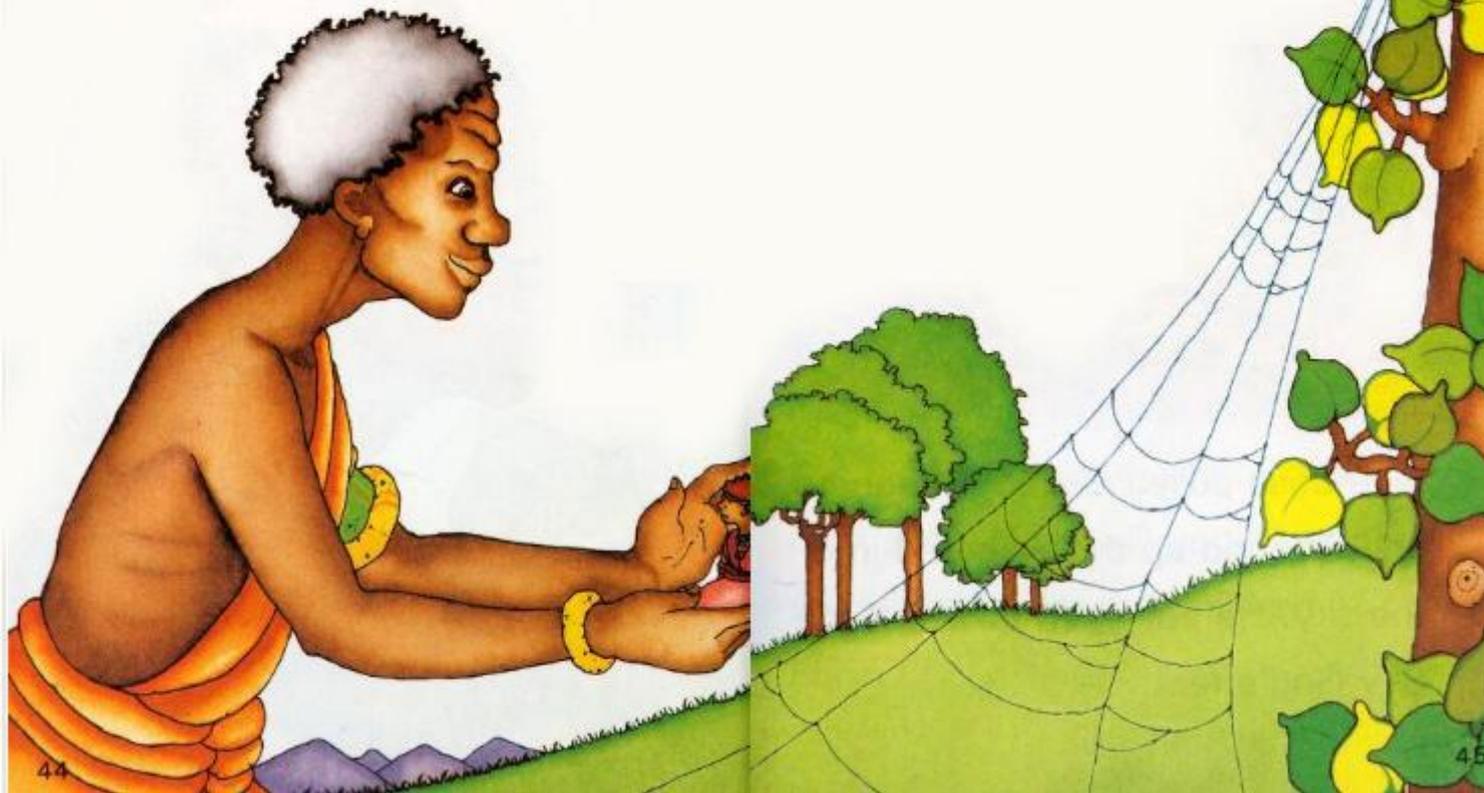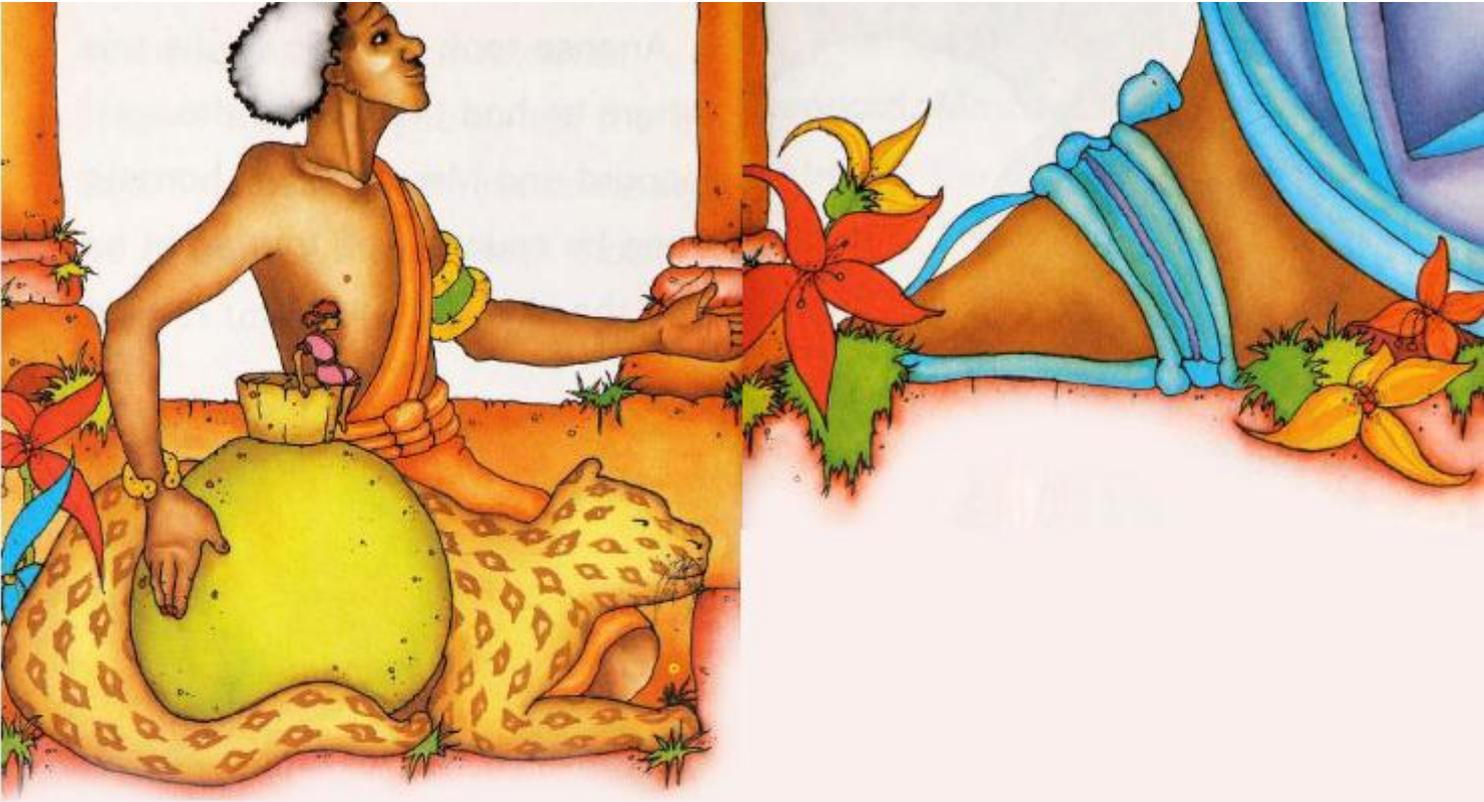
अनानसे ने ओसेबो तेंदुए, ममबोरो ततैयों और अबोटिया परी को जाल में से सीधे आकाश में खींचा. फिर उसने उन्हें आकाश-देव के चरणों में डाल दिया.

अनानसे ने कहा, "यह रहीं वे चीजें हैं जो आपने मांगी थीं. क्या अब आप मुझे पृथ्वी के बच्चों के लिए कुछ कहानियाँ देंगे?”
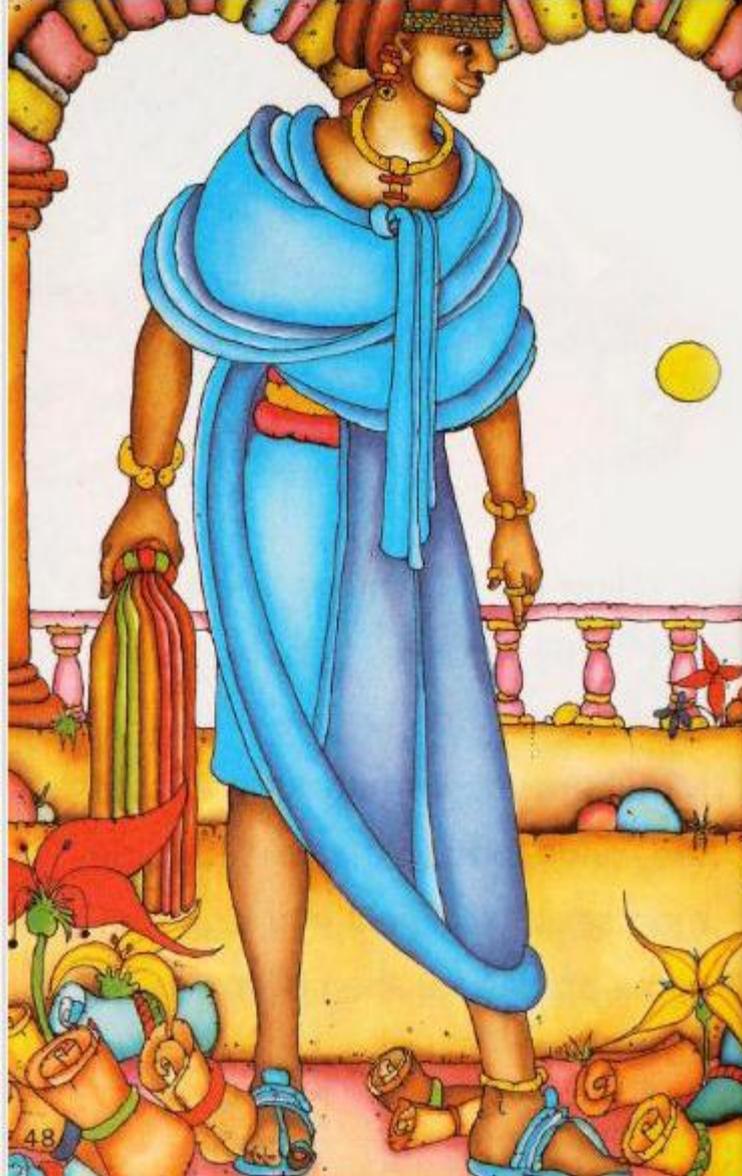
आकाश-देव ने ओसेबो तेंदुए, ममबोरो ततैयों और अबोटिया परी को देखा. फिर उन्होंने उस छोटे अनानसे स्पाइडर-मैन को देखा.

"हाँ, अनानसे," आकाश-देव ने कहा. "तुमने मुझे वो सारी चीजें लाकर दी हैं जो मैंने मांगी थीं. अब मैं तुम्हें अपनी सारी कहानियां दे दूंगा. अब से वे "स्पाइडर स्टोरीज" के नाम से जानी जाएंगी."

कहानियाँ पाकर अनानसे बेहद प्रसन्न हुआ. वह उन कहानियों को पृथ्वी के बच्चों के पास लेकर गया.

अब दुनिया भर के बच्चे अनानसे - द स्पाइडर-मैन और उसके कारनामों के बारे में जानते हैं.

समाप्त